36

राष्ट्रीय रोजगार सेवा तथा राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रणाली में सूचना प्रौद्योगिकी प्रयास

36.1 “देश में राष्ट्रीय रोजगार सेवा” तथा “राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण” हेतु उत्तरदायी रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय ने रोजगार सेवा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के समस्त संभव क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के व्यापक प्रयोग की प्राप्ति के लिए कदम उठाए हैं। ये क्षेत्र हैं, एलएएन संबंद्धता, रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेंशालय में बृहद एमआईएस, रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय वेबसाईट www.dget.nic.in , व्यवसायों पर आंकडे/ सूचना प्रदान करने वाली राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण सूचना सेवा, मान्यताप्राप्त औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान , फील्ड कार्यालय/ संस्थान तथा उनके प्रशिक्षण कैलेण्डर, केन्द्रीय प्रतिष्ठानों में व्यवसाय शिक्षु सीटें आदि रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशाल के फील्ड संस्थानों को ई-मेल सुविधा, समस्त फील्ड कार्यालयों/ संस्थानों को इंटरनेट संबंद्धता, व्यवसायों के राष्ट्रीय वर्गीकरण का संशोधन (एनसीओ), सर्टेस में प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रबंधन हेतु आन लाईन अनुप्रयोग प्रणाली, रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय हेतु इंटरनेट/ उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उत्तरदायी विशेषज्ञों की एक टीम सूचन प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रयोग को सुनिश्चित बनाने हेतु आवश्यक विकास को बनाए रखने तथा विकास करने का कार्य करती है।

36.2 “राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रणाली (एनवीटीएस) हेतु प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) की स्थापना” नामक एक पृथक केन्द्रीय क्षेत्रक योजना के कार्यान्वयन हेतु दो केन्द्रीय इकाईयाँ (एक एनआईसी द्वारा विकास तथा अन्य कार्यान्वयन हेतु) कार्य कर रही हैं। महिला प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा केन्द्रीय प्रतिष्ठानों में शिक्षु सीटों से संबंधित सूचना के समेकन के लिए ‘प्रगति प्रबोधन एवं सूचना प्रणाली (प्रो एम आइ एस ई)’ नामक प्रशिक्षण साँख्यिकी माडयूल विकसित किया गया। एक ऐसी प्रणाली तैयार की गई है जिससे सम्बद्ध फील्ड संस्थान अपने यूजर आई डी तथा पासवर्ड का प्रयोग कर इंटरनेट के माध्यम से जब भी अपेक्षित हो अपने कैलेण्डर को अद्यतन कर सकते हैं। नियमित रूप से अपनी डायल-अप संबंद्धता प्रयोग करने वाले संबंधित संस्थान अपने फील्ड संस्थानों का वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर अद्यतन कर सकते हैं। क्षेत्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालयों में सर्वेक्षण संविदा

पंजीकरण, आर आई सी / बी टी सी आंवटन आदि को शामिल करते हुए शिक्षुओं हेतु एक प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली का विकास किया गया है। इससे शिक्षुओं से संबंधित सूचना तक तुरंत पहूँच तथा उसके प्रबंधन में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय रोजगार सेवा एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रणाली में सूचना प्रौद्योगिकी पहल

36.3 सूचना प्रौद्योगिकी के आगमन से रोजगार निदेशालय ने तीव्र गति से आंकडा प्रक्रियान्वयन एवं उच्च गुणवत्ता को सारणीबद्ध करने के दोहरे उद्देश्य से अपने मैकेनिकल डाटा प्रोसेसिंग एकक को पूर्णत: सज्जित कम्प्यूटर केन्द्र में परिवर्तित करने की गौरवपूर्ण परियोजना आरंभ की है। किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप, वर्तमान में प्रशिक्षित स्टाफ एवं योग्य अधिकारियों के अतिरिक्त कम्प्यूटर केन्द्र को 32 टर्मिनलों तथा 6 पेंटियम मशीनों से सज्जित किया गया है। वर्तमान में कम्प्यूटर केन्द्र 943 रोजगार कार्यालयों के द्वारा 14 विवरणियों के माध्यम से एकत्र किए जा रहे अधिकांश सांख्यकीय आंकडों का कार्य कर रहा है । इससे अलावा यह कम्प्यूटर केन्द्र रोजगार कार्यालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) अधिनियम, 1959 के तहत् रोजगार विवरणी-1 (त्रैमासिक आधार पर) तथा रोजगार विवरणी-2 पर एकत्र आंकडों के आध्यम से सृजित किए जा रहे विशाल कार्य को भी कर रहा है। ई आर-I को सारणीबद्ध करने के आधार पर संगठित क्षेत्र में रोजगार के त्रैमासिक अनुमान तैयार किए जाते है तथा ई आर-II के आधार पर संगठित क्षेत्र में कर्मचारियों की व्यावसायिक रूपरेखा की सूचना प्राप्त की जाती है। हाईवेयर के निरंतर उन्नयन एवं वांछित सॉफ्टवेयर के विकास के परिणामस्वरूप रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले विभिन्न तदर्थ सर्वेक्षण तथा अध्ययन कार्य आंरभ किए जाते हैं। अधिकांश साफ्टवेयर स्वदेश में ही विकसित किए गए हैं।

36.4 100 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सुविधाओं के उन्नयन हेतु रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय तथा सूचना औद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से उनमे आई टी ई एस एम व्यवसाय आरंभ करने हेतु एक योजना चलाई गई है। तथा उनके अनुदेशकों के प्रशिक्षण तथा आवश्यक पाठ्यक्रम के विकास देश में सूचना प्रौद्योगिकी तकनीशियनों, तथा नेटवर्किंग तकनीशियन, डाटा एण्ट्री ऑपरेटर, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलैक्ट्रानिक्स

प्रणाली अनुरक्षण, मैकेनिक कम्प्यूटर हार्डवेयर, मैकेनिक उपभोक्ता इलैक्ट्रानिक्स, तथा मैकेनिक औद्योगिक इलैक्ट्रानिक्स, की मांग को पूरा करने के लिए शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के तहत् नए व्यवसाय आरंभ किए गए हैं।